भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY
☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

दैनिक जागरण

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 09.02.2019

54.30 घंटे चलाई 826 किलोमीटर साइकिल, दिल्ली से पहुंचे बीएचयू

जागरण संवाददाता, वाराणसी : जज्बा जब मजबूत हो तो हर राह आसान हो जाती है। चाहे दिल्ली दूर ही क्यों न हो। दुनिया के 12 अल्ट्रामैन में शामिल एवं 1995 बैच के आइआइटी, बीएचयू के पूर्व छात्र अंशुल अग्रवाल दिल्ली का नजदीक ला दिया। उन्होंने महज करीब 54.30 घंटे ही साइकिल चलाकर करीब 826 किलोमीटर की दूरी तय कर ली और दिल्ली से शुक्रवार की शाम को महामना की बगिया पहुंच गए। यहां पर छात्र-छात्राओं ने स्वागत किया। साथ ही युवाओं ने उनके साथ जमकर सेल्फी भी ली।

आस्ट्रेलिया ने दिया था अल्ट्रमैन का खिताब : गाजियाबाद के इंद्रपुरम निवासी अंशुल आइआइटी के 100 साल पूरे होने पर आयोजित शताब्दी समारोह में भाग लेने आ रहे हैं। उनको आस्ट्रेलिया ने अल्ट्रामैन के खिताब से नवाजा। 2018 में आयोजित प्रतियोगिता में अंशुल ने 10 किमी तैराकी, 421 किमी साइकिलिंग तथा 84 किमी दौड़ में दमखम दिखाया। इस आधार पर दुनिया भर के 12 अल्ट्रामैन में अंशुल भारत से तीसरे पायदान पर हैं। कराटे में ब्लैक बेल्ट अंशुल को मलेशिया ने दो बार आयरन मैन का खिताब दिया।

बीएचयू पहुंचे अल्ट्रामैन अंशुल अग्रवाल से बात करते छात्र

पहला पड़ाव : 261 किमी की दूरी तय कर वे रात 10.30 बजे फिरोजाबाद में नाइट हाल्ट किए।

दूसरा पड़ाव : सुबह 7.30 से रात 11 बजे तक 236 किमी दूरी तय कर वे कानपुर पहुंचे।

तीसरा पड़ाव : सुबह 9.30 से रात 8.45 बजे तक 155 किमी दूरी तय कर इलाहाबाद-वाराणसी हाईवे पहुंचे।

चौथा पड़ाव : सुबह 7.15 से शाम 6.30 बजे तक 182 किमी दूरी तय कर बीएचयू सिंहद्वार पहुंचे।

सफर की शुरुआत : अंशुल पांच फरवरी की सुबह करीब छह बजे गाजियाबाद स्थित अपने घर से चले। करीब सात बजे नई दिल्ली इंडिया गेट पर पहुंचे। वहां फोटो खींचे और वहां से सात बजे चले।

सफर के साथी : अंशुल के सफर की उनकी साइकिल व अन्य जरूरी सामग्री रही। तीन जैकेट, पानी की बोतल, दो बैग, हेलमेटकैम (कैमरा युक्त हेलमेट), पावर बैंक, चार्जर, पंचर व रिपेयर टूल्स, तीन नया ट्यूब आदि सामान के साथ में थे।